

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी (राजस्व) नोहर
पीठासीन अधिकारी का नाम : सुश्री श्वेता कोचर (आर०ए०एस०)

वाद सं० : 02 सन 2020

अनवान :-

1. सरीफ पुत्र इब्राहीम जाति खटीक मुसलमान निवारी नोहर तहसील नोहर जिला हनुमानगढ।

प्रार्थी

बनाम

1. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर जिला हनुमानगढ।

अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र बाबत दुरुस्ती अन्तर्गत धारा 136

भू-राजस्व अधिनियम 1956

उपस्थित :- श्री हवासिंह पुनिया अधिवक्ता प्रार्थी

निर्णय दिनांक :- 27/07/2020

सक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि प्रार्थी ने जरिये अधिवक्ता यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 एल.आर.एक्ट के तहत पेश किया जाकर निवेदन किया कि रोही मौजा चक देईदासपुरा के खाता संख्या 288 के खसरा न० 42/7.6380 हैव भूमि सायल का 1/6 हिस्सा का खातेदार काश्तकार है

वादी का नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज करते समय सरीफ मोहम्मद पुत्र इब्राहीम दर्ज हो गया जबकि वादी का सही नाम सरीफ पुत्र इब्राहीम है यही नाम अन्य सभी दस्तावेजात में दर्ज है वादी का गलत नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज रहने से वादी के खातेदारी अधिकारों का हनन होता है।

वादी का नाम अन्य दस्तावेजात जैसे मतदाता फोटा पहचान पत्र , आम आदमी का आधार कार्ड , बैंक पास बुक , पेन कार्ड , पानी बिल सभी में वादी का नाम सरीफ पुत्र इब्राहीम दर्ज है सहवन से राजस्व रिकार्ड में वादी का नाम गलत तौर से दर्ज हुआ है इसलिये वादी अपना नाम राजस्व रिकार्ड में संशोधन करवाने का अधिकारी है

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर रोही मौजा चक देईदासपुरा के खाता संख्या 288 के खसरा न० 42/7.6380 हैव भूमि सायल का 1/6 हिस्सा भूमि में वादी का नाम सरीफ मोहम्मद पुत्र इब्राहीम के स्थान पर सरीफ पुत्र इब्राहीम संशोधन करने के आदेश फरमावे।

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को तलब किया गया अप्रार्थी संख्या 1 की और से परोकार राज उपस्थित आकर जबाब पेश किया गया की प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजात साक्ष्य सबुतो के आधार पर राज्य हको को सुरक्षित रखते हुए प्रार्थना पत्र का निस्तारण किया जाना उचित है।

वकील प्रार्थी के अधिवक्ता ने अपनी बहस में अपने प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की रोही मौजा चक देईदासपुरा के खाता संख्या 288 के खसरा न० 42/7.6380 हैव भूमि सायल का 1/6 हिस्सा का खातेदार काश्तकार है

वादी का नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज करते समय सरीफ मोहम्मद पुत्र इब्राहीम दर्ज हो गया जबकि वादी का सही नाम सरीफ पुत्र इब्राहीम है यही नाम अन्य सभी दस्तावेजात में दर्ज

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

है वादी का गलत नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज रहने से वादी के खातेदारी अधिकारों का हनन होता है।

वादी का नाम अन्य दस्तावेजात जैसे मतदाता फोटा पहचान पत्र , आम आदमी का आधार कार्ड , बैंक पास बुक , पेन कार्ड , पानी बिल सभी में वादी का नाम सरीफ पुत्र इब्राहीम दर्ज है सहवन से राजस्व रिकार्ड में वादी का नाम गलत तौर से दर्ज हुआ है इसलिये वादी अपना नाम राजस्व रिकार्ड में संशोधन करवाने का अधिकारी है


पेरोकार राज ने अपनी बहस में अपने जबाब में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया की वादी के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य सबुतो के आधार पर प्रार्थना पत्र का निस्तारण किया जाना उचित है।

हमने उभयपक्षों की बहस सुनी पत्रावली का अवलोकन किया प्रार्थी ने रोही मौजा चक देईदासपुरा के खाता संख्या 288 के खसरा न0 42/7.6380 हैव भूमि सायल का 1/6 हिस्सा का खातेदार काश्तकार दर्ज है जिसमें प्रार्थी का नाम सरीफ मोहम्मद पुत्र इब्राहीम दर्ज है। वादी का कथन है कि उसका सही नाम सरीफ पुत्र इब्राहीम है यही नाम अन्य दस्तावेजात में भी दर्ज है

वादी के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजात मतदाता फोटा पहचान पत्र , आम आदमी का आधार कार्ड , बैंक पास बुक , पेन कार्ड , पानी बिल सभी में वादी का नाम सरीफ पुत्र इब्राहीम दर्ज है सहवन से राजस्व रिकार्ड में वादी का नाम गलत तौर से दर्ज हुआ है इसलिये वादी अपना नाम राजस्व रिकार्ड में संशोधन करवाने का अधिकारी है नाम संशोधन करने से राज्यहकों को कोई नुकसान नहीं है बल्की राजस्व रिकार्ड ही संशोधन होता है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र साक्ष्य सबुतों के अभाव में स्वीकार योग्य नहीं होने के कारण खारिज किया जाता है कि रोही मौजा चक देईदासपुरा के खाता संख्या 288 के खसरा न0 42/7.6380 हैव भूमि सायल का 1/6 हिस्सा में प्रार्थी का नाम सरीफ मोहम्मद पुत्र इब्राहीम के स्थान पर सरीफ पुत्र इब्राहीम संशोधन किया जाता है इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन किया जावे व्यय प्रार्थना पत्र उभयपक्ष अपना अपना वहन करेगे पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तर्तीब तकमील जाब्ता दाखिल दफतर हो ।

निर्णय आज दिनांक 27⁰⁷/₂₀₂₀ को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बसरे ईजलास में सुनाया गया ।


उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
नोहर (हनुमानगढ)